

# Indus Valley Civilisation - Mature Phase (c. 2600-1900 BCE)



# कालीबंगा

- ❑ काले रंग की मिट्टी की चूड़ियाँ (काली + बंगा (चूड़ियाँ) = काली बंगा), कांच की भी चूड़ियाँ | Black colored clay bangles (Kali + Banga (bangles) = Kali Banga), also glass bangles.
- ❑ वर्तमान राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित | Presently situated in Hanumangarh district of Rajasthan.
- ❑ यह प्राचीन 'सरस्वती नदी' के तट पर स्थित था | It was situated on the banks of the ancient 'Saraswati River'.



- ❑ इस स्थल की खोज 1953 ईस्वी में अमलानंद घोष द्वारा की गई थी। This site was discovered by Amlanand Ghosh in 1953 AD.
- ❑ यहाँ 1961 से 1969 ई० के मध्य, उत्खनन बृजवासी लाल (बी० बी० लाल) तथा बी० के० थापर ने करवाया। Here, between 1961 and 1969, the excavation was done by Brijwasi Lal (B.B. Lal) and B.K. Thapar.



- ❑ कालीबंगा नामक स्थल से हल से जुते हुए (जालीदार जुताई) खेत के साक्ष्य, Evidence of plowed fields (net plowed) from a site called Kalibanga,
- ❑ एक साथ दो फसल (चना के साथ सरसों) बोये जाने के साक्ष्य, Evidence of sowing of two crops (mustard along with gram) together.
- ❑ अग्निवेदियाँ या हवनकुण्ड (अग्निकुण्ड में पशुओं की हड्डियों, सींग तथा राख मिली है)। Fire altars or Havankund (bones, horns and ashes of animals have been found in the fire pit).



- ❑ यहाँ से जल निकासी प्रणाली के साक्ष्य नहीं मिलते हैं। There is no evidence of drainage system from here.
- ❑ यहाँ से मेसोपोटामियाँ की बेलनाकर मुहरों, अलंकृत ईंटों के साक्ष्य मिले हैं। Evidence of cylindrical seals and decorated bricks of Mesopotamia have been found from here.
- ❑ भूकम्प (Earthquake) आने के प्राचीनतम साक्ष्य | The oldest evidence of earthquake.



## लोथल Lothal:

- ❑ वर्तमान में गुजरात के लोथल-अहमदाबाद जिले में सरगवल नामक ग्राम में भोगवा नदी के तट पर स्थित है। Presently situated on the banks of river Bhogwa in a village named Sargwal in Lothal-Ahmedabad district of Gujarat.
- ❑ यह स्थल खंभात की खाड़ी के अत्यंत निकट स्थित है। This place is located very close to the Gulf of Khambhat.



- ❑ इस स्थल की खोज 1957 ईस्वी में श्री एस. आर. राव द्वारा की गई थी। सिंधु घाटी सभ्यता का यह स्थल एक प्रमुख बंदरगाह स्थल था। This site was discovered in 1957 AD by Shri S. R. Rao. It was done by Rao. This site was a major port site of the Indus Valley Civilization.
- ❑ सिंधु घाटी सभ्यता के इस बंदरगाह स्थल लोथल में एक विशाल गोदी बाड़ा मिला है। A huge dock yard has been found in Lothal, this port site of the Indus Valley Civilization.



- ❑ यह लघु हड़प्पा अथवा लघु मोहनजोदड़ो के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह नगर मोहनजोदड़ो के साथ घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित था। It is also known as Mini Harappa or Mini Mohenjodaro because this city was closely related to Mohenjodaro.
- ❑ लोथल से धान व बाजरे, दोनों के साक्ष्य मिलते हैं। इस बंदरगाह स्थल से हमें तीन युगल समाधियों के साक्ष्य भी प्राप्त होते हैं। Evidence of both paddy and millet is found from Lothal. We also get evidence of three pairs of mausoleums from this port site.





- ❑ युगल शवाधान (एक ही कब्र में पुरुष तथा नारी एक साथ दफनाये गये मिले हैं Couple burial (man and woman buried together in the same grave)
- ❑ चावल के अवशेष rice residue
- ❑ फारस की मुहरें seals of persia



## धौलावीरा Dholavira:

- ❑ धौलावीरा वर्तमान गुजरात के कच्छ जिले की भचाऊ तहसील में स्थित है। यह सिंधु घाटी सभ्यता कालीन स्थल मानहर व मानसर नदियों के पास स्थित है। Dholavira is situated in Bhachau tehsil of Kutch district of present-day Gujarat. This Indus Valley Civilization site is located near the Manhar and Mansar rivers.



- ❑ इसकी खोज 1967-68 ई० में जे० पी० जोशी ने की। It was discovered by J.P. Joshi in 1967-68.
- ❑ 1990-91 ई० में आर० एस० बिष्ट ने यहाँ उत्खनन करवाया। In 1990-91, R.S.Bisht got the excavation done here.
- ❑ धौलावीर में अन्य सिंधु घाटी सभ्यता कालीन स्थलों के विपरीत नगर का विभाजन तीन हिस्सों में मिलता है। सिंधु घाटी सभ्यता कालीन अन्य नगरों का विभाजन दो हिस्सों में किया गया था। In Dholavira, unlike other Indus Valley Civilization sites, the city is divided into three parts. Other cities during the Indus Valley Civilization were divided into two parts.

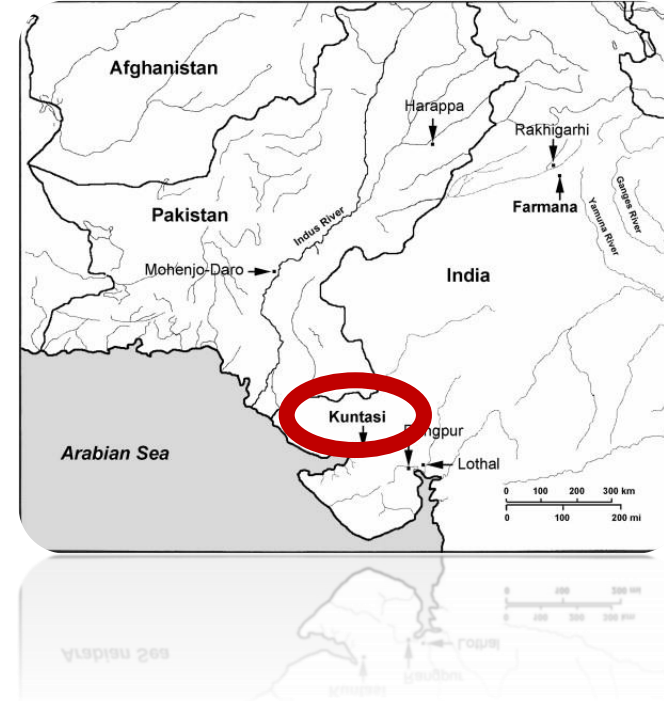


- ❑ धौलावीर में हमें बाँध अथवा कृत्रिम जलाशय के साक्ष्य मिले हैं। इससे यह सिद्ध होता है कि इस नगर में जल प्रबंधन की उत्कृष्ट व्यवस्था मौजूद थी। We have found evidence of a dam or artificial reservoir in Dholavira. This proves that there was an excellent system of water management in this city.
- ❑ घोड़े की कलाकृतियों के अवशेष remains of horse artefacts



## कुन्तासी Eighty-

- ❑ राजकोट जिले में स्थित है। Located in Rajkot district.
- ❑ इसका उत्खनन एम० के० धावलिकर, एम० आर० रावल एवं वाई० एम० चीतलवाल ने करवाया। Its excavation was done by M.K. Dhavalikar, M.R. Rawal and Y.M. Chitalwal.
- ❑ यहाँ बन्दरगाह, व्यापार केन्द्र तथा निगरानी स्तम्भ आदि की सुविधायें थीं। It had facilities like a port, a trading center and a watchtower.



## उत्खनन में प्राप्त प्रमुख वस्तुएँ Major items found in excavation-

1. लम्बी सुरहियाँ, दो हत्थे कटोरे, मिट्टी की खिलौना गाड़ी, तथा सेलखड़ी के मनके। Long jugs, two handled bowls, clay toy cart, and alabaster beads.
2. ताँबे की चूड़ियाँ एवं दो अंगूठियाँ Copper bangles and two rings



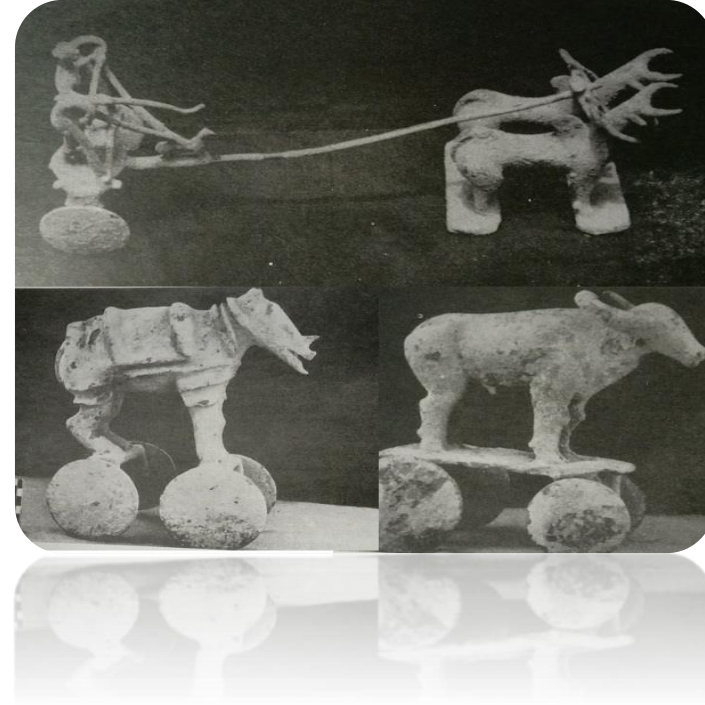
## दाइमाबाद Daimabad-

- स्थित :- अहमदनगर जिले में प्रवरा नदी (गोदावरी की सहायक) के बायें तट पर ।  
Located :- On the left bank of Pravara river (tributary of Godavari) in Ahmednagar district.
- यह हड़प्पा सभ्यता का सबसे दक्षिणी स्थल है।  
This is the southernmost site of the Harappan civilization.



## उत्खनन में प्राप्त प्रमुख वस्तुयें: Major items found in the excavation:

- ❑ सैन्धव लिपि की एक मुहर A seal of Indus script
- ❑ दो सींगों की आकृति युक्त बर्तन horn shaped vessel



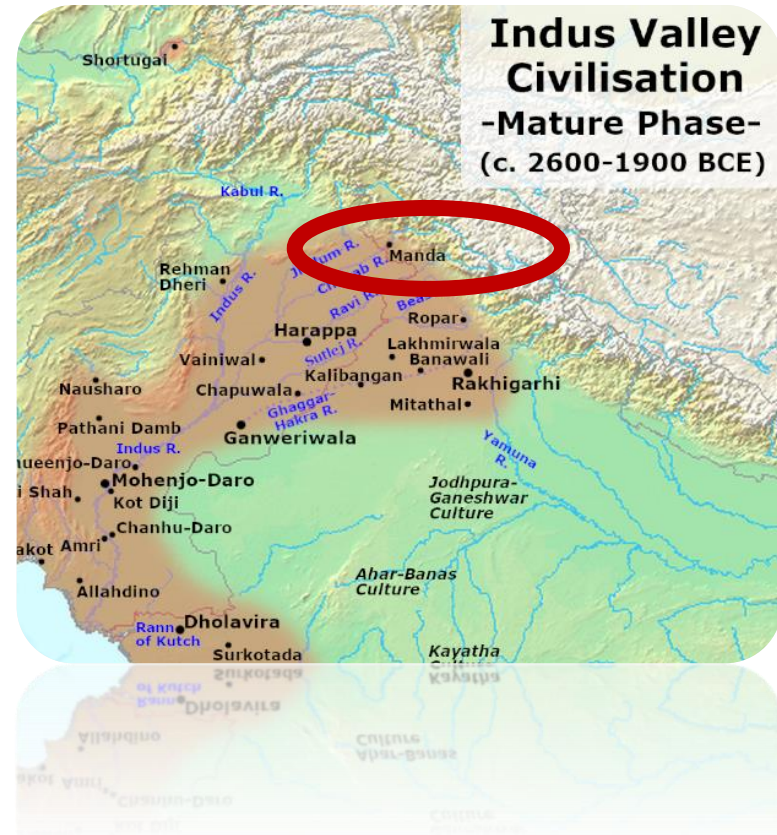


## माण्डा Manda

- स्थित:- अखनूर जिले में चिनाब नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह विकसित हड़प्पा सभ्यता का सर्वाधिक उत्तरी स्थल है।

**Location:-** Situated on the southern bank of Chenab river in Akhnoor district. This is the northernmost site of the developed Harappan civilization.

- इसका उत्खनन 1982 ई० में जे० पी० जोशी तथा मधुबाला ने। It was excavated in 1982 by J.P. Joshi and Madhubala.



## आलमगीरपुर Alamgirpur

- ❑ स्थित – मेरठ जिले में, हिण्डन नदी (यमुना की सहायक) के तट पर स्थित। Location – Situated in Meerut district, on the banks of Hindon River (tributary of Yamuna).
- ❑ यह सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक पूर्वी स्थल हैं। This is the easternmost site of the Indus Valley civilization.



## उत्खनन में प्राप्त प्रमुख वस्तुएँ Major items found in excavation-

- ❑ मृदभाण्डं, मृत्पिण्ड (Cakes) तथा मनके।  
Pottery, Cakes and beads.
- ❑ रोटी बेलने की चौकी | Bread rolling stand.
- ❑ मोर, त्रिभुज, गिलहरी आदि की चित्रकारी युक्त बर्तन | Utensils with paintings of peacock, triangle, squirrel etc.
- ❑ कुछ बर्तनों पर सैन्धव-लिपि के दो अक्षर अंकित मिलते हैं। Two letters of Sindhva script are found inscribed on some utensils.



## बुर्जहोम burzahom

- ❑ खोज 1935 ई. में डी. टेरा एवं पीटर्सन द्वारा की गई थी, The discovery was made by D. Terra and Peterson in 1935 AD,
- ❑ वर्ष 1960 में पुरातत्व विभाग ने इसकी खुदाई का कार्य शुरू किया, In the year 1960, the Archaeological Department started its excavation work,



## प्राप्त सामग्री received material

- यहाँ से हसुली, खुरपी, छेनी, कुदाल के साक्ष्य प्राप्त हुए तथा इसी के साथ भेड़-बकरी आदि की हड्डियों के साक्ष्य भी मिले, इसी प्रकार बुर्जहोम से गढ़दे वाले घरों के अवशेष प्राप्त हुए तथा शवाधान के साक्ष्यों में मनुष्य के साथ कुत्ते को दफनाए जाने के साक्ष्य भी प्राप्त हुए। From here, evidence of axes, hoes, chisels, hoes were found and along with this, evidence of bones of sheep, goats etc. were also found. Similarly, remains of pit houses were found from Burzahom and evidence of burial included dog buried along with humans. Evidence of departure was also found.

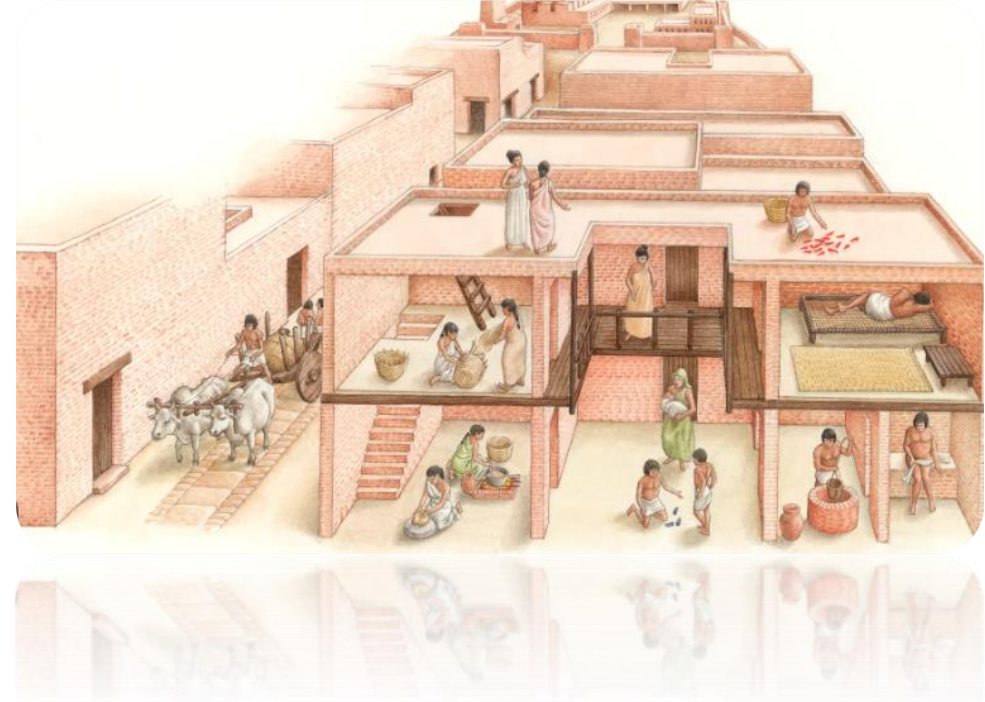


## सिंधु घाटी सभ्यता में नगर नियोजन Town Planning in the Indus Valley Civilization

- ❑ सड़कें समकोण (  $90^\circ$  ) पर काटती थीं और इस प्रकार से नगर योजना एक ग्रिड प्रारूप अर्थात् जाल पद्धति पर आधारित थी। The roads intersected at right angles (  $90^\circ$  ) and thus the city planning was based on a grid pattern.
- ❑ सिंधु घाटी सभ्यता में जल निकासी प्रणाली भी अपना विशेष महत्व रखती है। इस दौरान शहर में नालियों का जाल बिछा हुआ था। The drainage system also holds special importance in the Indus Valley Civilization. During this time, a network of drains was laid in the city.



- ❑ भवन निर्माण के लिए पक्की ईंटों का प्रयोग किया जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता कालीन प्रत्येक घर में एक रसोई घर और एक स्नानागार होता था। Baked bricks were used for building construction. During the Indus Valley Civilization, every house had a kitchen and a bathroom.
- ❑ नगर को दो हिस्सों में विभाजित किया जाता था। एक 'पश्चिमी टीला' होता था, जिसे 'दुर्ग' कहते थे, जबकि दूसरा हिस्सा 'पूर्वी टीला' होता था, जिसे 'निचला नगर' कहते थे। The city was divided into two parts. One part was 'Western Mound', which was called 'Fort', while the other part was 'Eastern Mound', which was called 'Lower City'.



## सिंधु सभ्यता कालीन लोगों की सामाजिक स्थिति Social condition of people during Indus Valley Civilization :-

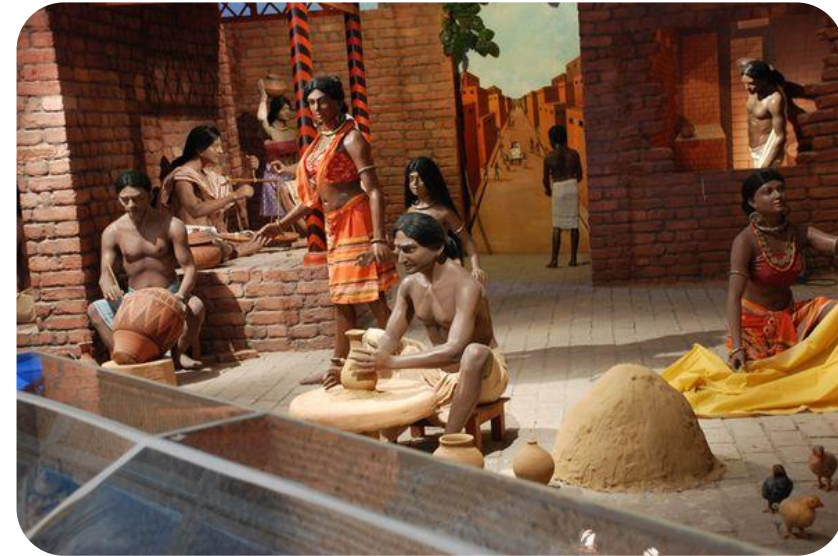
- ❑ यह समाज मातृसत्तात्मक रहा होगा. क्योंकि महिलाओं की विशेष भूमिका। This society must have been matriarchal. Because of the special role of women.
- ❑ इतिहासकारों के अनुसार, समाज चार वर्गों में विभक्त था- विद्वान, योद्धा, श्रमिक और व्यापारी। According to historians, the society was divided into four classes – scholars, warriors, workers and traders.





## सिंधु सभ्यता कालीन लोगों की आर्थिक स्थिति Economic condition of people during Indus Valley Civilization: –

- ❑ ये लोग विभिन्न कृषि वस्तुओं, जैसे- जौ, चावल, गेहूँ, मटर, सरसों, राई, तिल, तरबूज, खजूर इत्यादि का उपयोग करते थे। These people used various agricultural commodities like barley, rice, wheat, peas, mustard, mustard, sesame, watermelon, dates etc.
- ❑ सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों से हमें जुते हुए खेत के साक्ष्य, एक साथ दो फसलें बोए जाने के साक्ष्य इत्यादि प्राप्त हुए हैं। From the sites of Indus Valley Civilization, we have found evidence of plowed fields, evidence of sowing of two crops simultaneously, etc.



- ❑ ये लोग शाकाहार और माँसाहार, दोनों ही तरह के भोजन का प्रयोग करते थे। These people used both vegetarian and non-vegetarian food.
- ❑ ये ऊनी और सूती, दोनों ही प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे। पुरुष और महिलाएँ, दोनों ही आभूषण पहनते थे। They used both woolen and cotton clothes. Both men and women wore jewellery.
- ❑ सिंधु घाटी सभ्यता के लोग शांतिप्रिय लोग थे। यहाँ से तलवार, ढाल, शिरस्त्राण, कवच इत्यादि के साक्ष्य नहीं मिले हैं। The people of Indus Valley Civilization were peace loving people. Evidence of sword, shield, headgear, armor etc. has not been found from here.



- ❑ हड़प्पा सभ्यता एक कांस्य युगीन सभ्यता थी।  
The Harappan civilization was a Bronze Age civilization.
- ❑ कांसा बनाने के लिए तांबे और टिन को क्रमशः 9:1 के अनुपात में मिलाया जाता था। To make bronze, copper and tin were mixed in the ratio of 9:1 respectively.
- ❑ हड़प्पा सभ्यता के लोग लोहे के प्रयोग से परिचित नहीं थे और संभवतः उन्हें तलवार के विषय में भी जानकारी नहीं थी। The people of the Harappan civilization were not familiar with the use of iron and probably did not even know about the sword.



- इस दौरान आंतरिक और बाह्य दोनों ही व्यापार समृद्ध अवस्था में थे। सुमेरियन सभ्यता के लेखों से ज्ञात होता है कि विदेशों में सिंधु सभ्यता के व्यापारियों को मेलुहा के नाम से जाना जाता था। During this period, both internal and external trade were in a prosperous state. It is known from the writings of Sumerian civilization that the traders of Indus Valley civilization in foreign countries were known by the name of Meluha.



- ❑ लोथल नामक सिंधु घाटी सभ्यता कालीन स्थल से हमें फारस की मुहरें प्राप्त होती हैं तथा कालीबंगा से बेलनाकर मुहरें प्राप्त होती हैं। ये सभी प्रमाण सिंधु घाटी सभ्यता के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की ओर इशारा करते हैं। We get Persian seals from the Indus Valley Civilization site called Lothal and cylindrical seals are obtained from Kalibanga. All this evidence points towards international trade of the Indus Valley Civilization.

